सत्रीय कार्य

नाटक और रंगमंचमें स्नातकोत्तर डिप्लोमा

पाठ्यक्रम : पी.जी.डी.डी.टी.

2021-2022

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

पोस्ट:- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र) 442001

फोन/फैक्स:- 07152-247146 वेबसाइट : www.hindivishwa.org

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(Established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

डॉ. प्रियंका मिश्र
एसोसिएट प्रोफेसर

पी.जी.डी.डी.टी सत्रीय कार्य
सत्रीय कार्य करने के दिशा निर्देश

दूरभाष/Phone:+ 07152-247146

फैक्स/Fax: + 07152-247146

ई-मेल -

priyadarshnimishra85@gmail.com

दिनांक :

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पत्र के लिए सत्रीय कार्य करना है। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर भेजी गई अध्ययन सामग्री के आधार पर ही देना है। कहीं-कहीं आपको अतिरिक्त पाठ्यसामग्री की सहायता लेनी पड़ सकती है। आप चाहें तो कार्यक्रम संयोजक की मदद पत्राचार, ई-मेल, दूरभाष माध्यम से ले सकते हैं।

सत्रीय कार्य शुरू करने से पूर्व आप निम्नलिखित बातों का ध्यान रखिए। यह आपके लिए उपयोगी होगा

1. योजना : सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए। इनसे सम्बद्ध इकाईयों का दोबारा अध्ययन कीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए प्रमुख मुद्दों को एक कागज पर नोट कीजिए। उसके बाद उन्हें क्रम दीजिए।
2. संगठन : अपने उत्तर की मोटी रूपरेखा बनाने से पहले अपना ध्यान कुछ मुद्दों पर केंद्रित कीजिए। और उनका विश्लेषण कीजिए। प्रस्तावना और सारांश पर विशेष ध्यान दीजिए।
- क. तर्क संगत और प्रवाहपूर्ण हो,
- ख. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध हो
- ग. आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति सटीक हो।
3. प्रस्तुति : अपने उत्तर से संतुष्ट होने पर इसका अंतिमप्रारूप तैयार कीजिए। उत्तर साफ-साफ A-4 कागज पर लिखिए और जिन मुद्दों पर बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कीजिए। **सत्रीय कार्य की एक छायाप्रति अपने पास अनिवार्य रूप से रखें।**

शुभकामनाओं के साथ,

(डॉ. प्रियंका मिश्र)

सत्रीय कार्य निर्धारित पता पर प्राप्ति की अंतिम तिथि – 30 नवंबर, 2021 तक अवश्य भेज दें। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त सत्रीय कार्य किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

पता

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय

पोस्ट:- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा (महाराष्ट्र) 442001

फोन/फैक्स:- 07152 & 247146 वेबसाइट : www.hindivishwa.org

निर्देश : प्रिय विद्यार्थी, सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए।

1. अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाहिने सिरे पर नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या अवश्य दीजिए।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा।

नामांकन संख्या : -----

नाम : -----

पता : -----

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : -----

सत्रीय कार्य कोड : -----

दिनांक : -----

1. उत्तर के लिए केवल **A-4** साइज के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बांध लें।
2. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
3. अपनी लिखावट में उत्तर दें।
4. सत्रीय कार्य की उत्तर-पुस्तिका जाँच के लिए **सम्बंधित अध्ययन केन्द्रों** पर या **निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय, पोस्ट : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, पिन- 442001** के पास **दिनांक 30 नवंबर, 2021** तक अवश्य भेज दें।

प्रश्न पत्र- एक

हिंदी नाटक और रंगमंच: सिद्धांत एवं इतिहास

विषय: नाटक और रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

विषय कोड : पी.जी.डी.डी.टी.

Subject: P.G.Diploma in Drama & Theater

Subject Code: P.G.D.D.T.

कुल अंक: 30

Total Marks: 30

Note: Long Answer Questions. Write your answer in 800 to 1000 words each. Write Any Three Answer.

नोट- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें।

1. नाटक एवं रंगमंच के आपसी संबंध पर बात करते हुए उसके रूप-स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
2. हिंदी रंगमंच की विकासयात्रा पर बात करते हुए उसकी चुनौतियों और संभावनाओं को आलोचित करें।
3. भारतेन्दु हरिश्चंद्र के रंग-चिंतन पर अपने विचार लिखें।
4. अव्यवसायिक रंगमंच एवं व्यावसायिक रंगमंच के मध्य अंतर करते हुए दोनों से संबंधित रंगमंच को आलोचित कीजिए।
5. पारंपरिक रंगमंच की विशेषताएं बताते हुए रामलीला और नौटंकी के रंग-स्वरूप का संक्षेप में परिचय दीजिए।

प्रश्न पत्र – दो

पाश्चात्य नाटक और रंगमंच: सिद्धांत और इतिहास

विषय: नाटक और रंगमंच में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

विषय कोड : पी.जी.डी.डी.टी.

Subject: P.G. Diploma in Drama & Theater

Subject Code: P.G.D.D.T.

कुल अंक: 30

Total Marks: 30

Note: Long Answer Questions. Write your answer in 800 to 1000 words each. Write Any Three Answer.

नोट- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें।

1. ग्रीक रंगमंच के विकास का परिचय दीजिए।
2. शेक्सपियरियन रंगमंच की ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए।
3. विसंगत नाटक के उद्भव और विकास को रेखांकित कीजिए।
4. ब्रेख्त के नाट्य सिद्धान्त पर अपने विचार लिखिए।
5. त्रासदी और कामदी नामक पश्चिमी नाटकों के मूल कथ्य एवं उसके स्वरूप का परिचय दीजिए।

प्रश्न पत्र-चार

दृश्य-श्रव्य माध्यम

विषय: नाटक और रंगमंचमें स्नातकोत्तर डिप्लोमा

Subject: P.G.Diploma in Drama & Theater

विषय कोड : पी.जी.डी.डी.टी.

Subject Code: P.G.D.D.T.

कुल अंक: 30

Total Marks: 30

Note: Long Answer Questions. Write your answer in 800 to 1000 words each. Write Any Three Answer.

नोट- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें।

1. रेडियो नाटक की परिभाषा बताते हुए रेडियो नाटक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
2. रंगमंच नाटक और रेडियो नाटक में अंतर स्पष्ट कीजिए।
3. रेडियो धारावाहिक सारगर्भित टिप्पणी लिखिए।
4. टेलीविजन नाटक का प्रारंभिक स्वरूप बताते हुए टेलीनाटक की रचना-प्रक्रिया का परिचय दीजिए।
5. धारावाहिक लेखन के मूल तत्वों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न पत्र-पाँच

रंगमंच: नाटक और प्रयोग

विषय: नाटक और रंगमंचमें स्नातकोत्तर डिप्लोमा

Subject: P.G.Diploma in Drama & Theater

विषय कोड : पी.जी.डी.डी.टी.

Subject Code: P.G.D.D.T.

कुल अंक: 30

Total Marks: 30

Note: Long Answer Questions. Write your answer in 800 to 1000 words each. Write Any Three Answer.

नोट- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। अपने प्रश्नों के उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें।

1. नाट्यलेख एवं प्रस्तुति-आलेख के आपसी संबंध पर विस्तार से लिखिए।
2. प्रस्तुति प्रक्रिया के विभिन्न घटकों की विस्तृत विवेचना कीजिए।
3. किसी नाटक के रंगमंचीय प्रस्तुतिकरणमें निर्देशक की भूमिका स्पष्ट कीजिए।
4. किसी एक नाटक का नाटकीय दृष्टिकोण से विशिष्ट अध्ययन कीजिए।
5. किसी एक कहानी का रंगमंचीय विश्लेषण कीजिए।